सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 30 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 2 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

आकाश की तरफ देखिये। हम अकेले नहीं हैं। सारा ब्रह्माण्ड हमारे लिए अनुकूल है और जो सपने देखते हैं और मेहनत करते हैं उन्हें प्रतिफल देने की साजिश करता है।

–डॉ. अब्दुल कलाम

खिलाड़ियों को तकलीफ होगी पर देश... 7 | बीजेपी के कारनामों से विपक्ष... 3 | भाजपा नेताओं की जांच क्यों... 2

चुनावी मोड में आई सियासत

विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार

- » खरगे का बीजेपी सरकार पर प्रहार, बोले वादों का क्या हुआ
- » बंगाल से लेकर बिहार तक वार-पलटवार
- » लालू बोले 24 में बदलेगी सियासत
- » मोदी ने कहा अबकी बार 400 पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव आने को है सभी पार्टियां चुनावी मोड में आने लगी हैं। सत्ता में बैठी बीजेपी जहां अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करने की कवायद में जुटी है तो विपक्षी गठबंधन व कांग्रेस ने भी अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री पूरे देश में घूम-घूम कर ताबड़तोड़ शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे साथ ही रैलियों के माध्यम से कांग्रेस व उसके सहयोगियों की बुराई कर रहें है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मोदी व बीजेपी पर हमलावर हैं।

हर मंच पर वह मोदी सरकार के दस साल के कार्यकाल की खामियों को उजागर कर रहे हैं। इस बीच एक दूसरे पर वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, क्या यह सच नहीं है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का अधिकांश हिस्सा शुरू होने में विफल रहा? प्रमुख क्षेत्रों के लिए धन का बड़े पैमाने पर कम उपयोग क्यों किया गया? उन्होंने दावा किया कि कपड़ा क्षेत्र में पीएलआई के 96 प्रतिशत कोष का इस्तेमाल नहीं किया गया तथा नवीकरणीय क्षेत्र में पीएलआई के लिए शून्य निधि प्रदान की गई।

दस सालों में पिछड़ गया भारत : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मेक इन इंडिया के सपने को साकार करने में विफल रही। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े कुछ आंकड़ों का उल्लेख करते हुए यह दावा भी किया कि सरकार की तरफ से पूरी तरह निष्क्रियता देखी गई है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार मेक इन इंडिया को साकार करने में विफल! विनिर्माण क्षेत्र में सरकार के कदमों को लेकर जोर-शोर से ढोल पीटने का शोर भी निष्क्रियता के कारण दब गया है। उन्होंने सवाल किया, पिछले दशक में भारत की जीडीपी में विनिर्माण द्वारा जोड़ा गया मूल्य 16 प्रतिशत से घटकर 13 प्रतिशत क्यों हो गया है? मोदी सरकार में औसत विनिर्माण विकास में गिरावट क्यों आई है? खरगे के मुताबिक, कांग्रेस-संप्रग के दौरान औसत विनिर्माण विकास दर 7.85 प्रतिशत थी, जो घटकर लगभग 6 प्रतिशत ही रह गई। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने 2022 तक विनिर्माण क्षेत्र में 10 करोड़ नौकरियों का वादा किया था। वे नौकरियां कहां हैं? पिछले 10 वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में कार्यबल में गिरावट क्यों आई है? उन्होंने सवाल किया, भारत के निर्यात में प्रतिशत वृद्धि जो कांग्रेस-संप्रग के दौरान 549 प्रतिशत थी, मोदी सरकार के दौरान घटकर केवल 90 प्रतिशत कैसे रह गई? उन्होंने यह भी प्रश्न किया, क्या यह भाजपा का नकली राष्ट्रवाद नहीं है जिसके कारण गलवान में 20 बहादुरों के बलिदान के बाद भी चीनी आयात में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई? खरगे ने कहा, भारत को मजबूत और समावेशी रोजगार सृजन की जरूरत है नौकरी सृजनकर्ताओं की क्षमताओं को बढ़ावा देने और उच्च तकनीक नेटवर्क को जोड़कर उत्पादन को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। विनिर्माण में मूल्यवर्धन और निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अतीत में केवल कांग्रेस पार्टी ने ही ऐसा किया है। अब केवल कांग्रेस पार्टी ही ऐसा करने में सक्षम है।

भाजपा सरकार को उखाड़ फेंके : लालू

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा से पहले ही बिहार की सियासत गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पीएम मोदी के बिहार आने से पहले ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट के जरिए तीन मार्च को पटना के गांधी मैदान में राजद की महारैली में आने की अपील की। इसके बाद कहा कि आपलोग इकट्ठा होकर केंद्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करें। राजद सुप्रीमो ने कहा कि लालू यादव ने कहा कि भाई और बहनों को तीन मार्च को पटना के गांधी मैदान में जन विश्वास रैली का आयोजन किया गया है। सभी गरीब, किसान, मजदूर और नौजवान लोग भाड़ी संख्या में यहां पहुंचें और केंद्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करें।

टीएमएसी का अर्थ है- तू, मैं और करप्शन : मोदी

पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अत्याचार, वंशवाद की राजनीति, विश्वासघात का पर्याय है। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार के कामकाज के तरीके से बंगाल के लोग निराश हैं। उन्होंने कहा कि यहां लोगों की संख्या को देखकर मुझे यह कहने का आत्मविश्वास मिल रहा है कि 'राजग सरकार, 400 पार'। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी एम्स-कल्याणी से खुश नहीं, पर्यावरण मंजूरी को मुद्दा बना रही है। उन्होंन साफ तौर पर कहा कि टीएमसी ने 'मां माटी मानुष' का नारा दिया लेकिन उसके राज में माताएं-बहनें रो रही हैं। मोदी ने कहा कि यह पश्चिम बंगाल में मेरा दूसरा दिन है। पिछले 2 दिनों में मुझे बंगाल के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने का अवसर मिला। इससे निवेश आएगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और पड़ोसी क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ेगा।हालांकि, हमें यह स्वीकार करना होगा कि टीएमसी सरकार ने बंगाल के लोगों को निराश किया है। वे लोगों के भरोसे को धोखा देते रहते हैं। टीएमसी बंगाल के विकास पर भ्रष्टाचार और उनके परिवार को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि बंगाल में जिस तरह टीएमसी की सरकार चल रही है उसने बंगाल को निराश कर दिया है। पश्चिम बंगाल की जनता ने बहुत उम्मीदों के साथ टीएमसी को बार-बार इतना बड़ा जनादेश दिया है, लेकिन टीएमसी अत्याचार और विश्वासघात का दूसरा नाम बन गई है। टीएमसी के लिए बंगाल का विकास नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद ही प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार रुपये की चिकित्सा सहायता देती है। गरीबों को 5 लाख, लेकिन टीएमसी सरकार इस केंद्रीय पहल का लाभ बंगाल के लोगों को नहीं मिलने देती। हमने पश्चिम बंगाल की चिकित्सा स्थिति में सुधार के लिए प्रयास किए। 2014 से पहले, बंगाल में केवल 14 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। पिछले 10 वर्षों में यह संख्या लगभग दोगुनी होकर 26 हो गई है।

बंगाल पर क्यों चुप हैं राहुल व प्रियंका : चुग

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि वह इटली का चश्मा उतारकर देखेंगे तो सच्चाई स्पष्ट सामने नजर आएगी। राहुल गांधी ने जो इटली का चश्मा लगा रखा है, वह उन्हें सच्चाई देखने नहीं दे रहा है। चुग ने संदेशखाली की घटना पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि राहुल गांधी संदेशखाली की घटना पर कुछ क्यों नहीं बोलते हैं? पश्चिम बंगाल में हो रही घटनाओं को लेकर उनके मुंह से एक शब्द तक क्यों नहीं निकलता है? क्या उन्हें वो सब दिखाई नहीं देता है? उन्होंने कांग्रेस पर दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए कहा, मैं लड़की हूं, लड़ सकती हूं, की बात कहने वाली प्रियंका गांधी बंगाल क्यों नहीं गई हैं? भाजपा राष्ट्रीय महासचिव ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए सवाल पूछा कि आंतकवाद को रोकना, माफियावाद को समाप्त करना, उपद्रव-दंगे, हत्याएं और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं को मिटाकर राज्य में शांति, भाईचारा, जनता में विश्वास की भावना और विकास की रफ्तार को स्थापित करना क्या जंगलराज है?

मोदी को तीसरी बार पीएम बनाना है : उपेंद्र कुशवाहा

उपेंद्र कुशवाहा ने बाजपट्टी में लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा के संस्थापक उपेंद्र कुशवाहा ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि देश में गरीबों और महिलाओं के लिए काफी काम हुए हैं। दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। अभी भी देश को उनकी जरूरत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि देश के लोगों ने नरेंद्र मोदी को 2024 में फिर से प्रधानमंत्री बनाने का मन बना लिया है। मुझे विश्वास है कि आप सभी नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। लेकिन फिर भी आग्रह करने आया हूं कि चुनाव में एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी को जिताने के लिए जी जान से जुट जाएं। सीतामढ़ी के लोगों से मेरा विशेष लगाव रहा है। राजनीतिक सफर में मुझे जब भी आवश्यकता पड़ी यहां के लोगों ने बढ़-चढ़ कर मेरा साथ दिया।

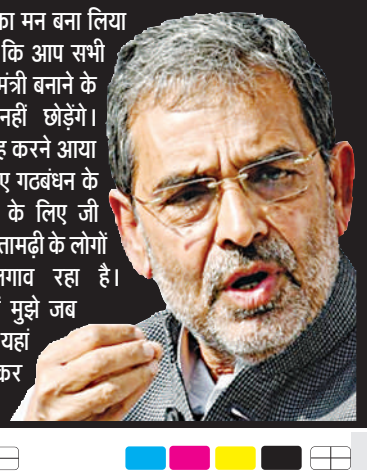

भाजपा नेताओं की जांच क्यों नहीं करती ईडी : अखिलेश

» नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है बीजेपी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक कराकर नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। यूपी में होने वाले कैबिनेट विस्तार को लेकर कहा कि हमें उम्मीद है कि जो सपा से गए हैं वह भी शपथ लें। उन्होंने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी का नाम लिए बिना इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ने पर भी तंज कसा। अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता में आने से पहले बीजेपी ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था।

क्या किसानों की आमदनी दोगुनी हुई? उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने किसानों को धोखा दिया है। अखिलेश ने कहा कि किसान वोट डालने का इंतजार कर रहे हैं। छुट्टा मवेशियों के मुद्दे पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी के राजभवन जाने वाले रास्ते में आवारा पशु नहीं मिला। अखिलेश ने कहा कि सपा इंडिया एलायंस को आगे ले जा रही है। पीडीए परिवार को बढ़ाने की लगातार कोशिश में हैं। झांसी में पुष्पेंद्र यादव के एनकाउंटर पर अखिलेश ने पूछा कि पति की हत्या के बाद पत्नी ने भी खुदकुशी कर ली। क्या एनकाउंटर करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई हुई।

मुद्दों के आसरे भाजपा को चुनौती देंगे

जिसे भी हम आगे बढ़ाते हैं, वही आंख दिखा देता है

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि जिसे भी हम आगे बढ़ाते हैं, वही आंख दिखा देता है। गठबंधन में टिकट देकर हम खुद ही धोखा खा रहे हैं। सपा मुख्यालय में समाजवादी युवजन सभा, लोहिया वाहिनी, समाजवादी छात्रसभा और यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय एवं प्रदेश के अध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को हराने का गणित बहुत आसान है... किसान की आय दोगुनी नहीं हुई... चुनाव आया काले कानून वापस ले लिए। किसान को खुश करने के लिए चौधरी चरण सिंह और स्वामीनाथन को भारत रत्न दिया गया। अगर भाजपा के लोग सच में किसानों के दुख दर्द समझते हैं... तो स्वामीनाथन ने जो फॉर्मूला दिया था उसे अमल क्यों नहीं कर रहे हैं? उन्होंने साफ किया कि वो लोकसभा चुनाव में मुद्दों के आसरे भाजपा को चुनौती देंगे।

बसपा जल्द करेगी प्रत्याशियों का एलान

» मायावती व ओवैसी की पार्टी में बन सकती है बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी जल्द ही लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों की घोषणा करने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक बसपा अध्यक्ष मायावती रोजाना अलग-अलग मंडलों और सेक्टर के प्रभारियों के साथ इस बाबत विचार-विमर्श कर रही हैं और टिकट के दावेदारों के नाम पर मंथन किया जा रहा है। बसपा सुप्रीमो सभी मंडलों की समीक्षा के बाद प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर सकती हैं, जिसमें पश्चिम उप्र के प्रत्याशियों के नाम होंगे। पार्टी अपने संगठन के कुछ चेहरों को भी इस बार चुनाव मैदान में उतार सकती है। हालांकि अभी मायावती या आकाश आनंद का चुनाव लड़ने का कोई भी संकेत नहीं है।

वहीं यह संभावना भी जताई जा रही है कि सपा-कांग्रेस से गठबंधन नहीं होने पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम बसपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है। दोनों दलों के वरिष्ठ पदाधिकारी एक-दूसरे के संपर्क में हैं।

आकाश आनंद को मिली वाई प्लस सिक्योरिटी

मायावती के भतीजे आकाश आनंद को केंद्र सरकार ने वाई प्लस सिक्योरिटी प्रदान की है। बता दें कि आकाश आनंद बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं, जिन्हें हाल ही में मायावती ने अपना राजनीतिक वारिस भी घोषित किया था। उन्होंने आकाश को यूपी और उत्तराखंड छोड़कर बाकी प्रदेशों में बसपा के संगठन का विस्तार करने और जनाधार बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी है। आकाश जल्द ही हरियाणा से लोकसभा चुनाव का प्रचार अभियान भी शुरू करने जा रहे हैं।

पावरलेस हैं सीएम भजनलाल : गहलोत

» बोले- अब दिल्ली वाले रिमोट से चला रहे प्रदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर बड़ा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पावरलेस बताया। गहलोत ने कहा भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री तो बना दिया पर दिल्ली वाले सरकार को रिमोट से चलाना चाहते हैं, जो संभव नहीं है। मुख्यमंत्री से ज्यादा पावर तो उपमुख्यमंत्री के पास है और राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांशु पंत राजस्थान में डिफेक्टो मुख्यमंत्री बने हुए हैं।

गहलोत ने कहा कि जो मुख्यमंत्री अपने ओएसडी लगाने की स्थिति में न हो, जो मुख्यमंत्री अपना स्टाफ लगाने की स्थिति में न हो वो मुख्यमंत्री प्रदेश को कैसे चला रहा है। ये प्रदेश की जनता जानना चाहती है। गहलोत बोले की दिल्ली की पर्ची ने मुख्यमंत्री तो बना दिया पर मुख्यमंत्री को पावरलेस कर रख रखा है। बिना पावर के मुख्यमंत्री से गुड गवर्नेंस की उम्मीद नहीं की जा सकती। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार को ईआरसीपी पर वाइट पेपर जारी करना चाहिए। पीएम ने कहा था कि मेरी गारंटी है सरकार बनते ही पेट्रोल के दाम की समीक्षा कर दूंगा। आज तीन महीने हो गए हैं कोई चर्चा ही नहीं है इस बात की। ये घोटालेबाज लोग हैं। चुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कब लागू करेंगे। मोदी इस बार चुनाव जीत गए तो चंडीगढ़ की तरह चुनाव होंगे। उधर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में बीजेपी की सरकार आने के बाद मैंने जयपुर में मुख्यमंत्री, मंत्रियों और कलेक्टर के साथ बैठकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जो काम हो गए हैं, उनकी गड़बड़ियों को ठीक किया जाए।

पीएम के झूठ से नहीं बनी पाई कांग्रेस की सरकार

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार बनना तय थी, परंतु प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री और पांच राज्यों के सीएम ने झूठ बोलकर राजस्थान में जो माहौल बनाया उससे हमारी सरकार नहीं बन पाई। आज प्रदेश की जनता सरकार को खोज रही है।

उपराज्यपाल के इशारे पर सभी विभागों का काम रोका गया : आतिशी

» चार मार्च को पेश होगा दिल्ली का बजट, विस में पेश किया सर्वेक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में वित्त मंत्री आतिशी ने सर्वेक्षण पेश किया। चार मार्च को दिल्ली का बजट पेश होगा। मंत्री आतिशी ने कहा कि एक साल के दौरान उपराज्यपाल के इशारे पर सभी विभागों का काम रोका गया, इस कारण कई विभागों की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। खास तौर पर दिल्ली जल बोर्ड और स्वास्थ्य विभाग पर बहुत ज्यादा असर पड़ा है।

इसके बावजूद दिल्ली सरकार ने बेहतर कार्य किया। दिल्ली के लोगों की आय में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, कि ये आर्थिक सर्वे दिखा रहा है कि पिछले एक साल में दिल्ली के लोगों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। दिल्ली सरकार का राजस्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल भले ही कितना काम रोक लें, मगर केजरीवाल सरकार रुकने वाली नहीं है और वह लगातार बेहतर कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा उच्च शिक्षा निदेशालय के प्रतिभा सह माध्यम से जुड़े वित्तीय सहायता स्कीम के तहत आकलन वर्ष 2021-22 के 10650 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। हालांकि, यह योजना अभी दिल्ली उच्च और तकनीकी शिक्षा सहयोग स्कीम के रूप में संशोधित किए जाने के लिए प्रस्तावित है। यह प्रस्ताव अभी कैबिनेट की मंजूरी के लिए सौंपा गया है। प्रशिक्षण और तकनीकी विश्वविद्यालयों में छह वर्षों में सीटों की क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। सीटों की संख्या 2018-19 में 7432 से बढ़कर 19293 हो गई है।

केजरीवाल सरकार का करिश्मे दिल्ली सुधरी

देश के सभी राज्यों की तुलना में दिल्ली में सबसे कम महंगाई है, जबकि देश में लगातार महंगाई बढ़ रही है। दिल्ली में बेरोजगारी की दर भी कम हुई है। देश में एकमात्र सरकार दिल्ली सरकारी है, जो मुनाफे में चल रही है, जबकि वह पानी माफ और बिजली हाफ रेट पर दे रही है। मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार खर्चे से ज्यादा राजस्व प्राप्त कर रही है। आम आदमी पार्टी सरकार बनने से पहले पिछली सरकारों ने कर्ज कर रखा था, वह कर्ज भी आम आदमी पार्टी सरकार ने दे दिया है। 75 प्रतिशत लोगों को मुफ्त पानी मिला है। 65 प्रतिशत लोगों ने मुफ्त में स्वास्थ्य सेवा मिली हैं। दिल्ली के लोगों की प्रति व्यक्ति आय देश की प्रति व्यक्ति आय से 2.5 गुना अधिक है। यह केजरीवाल सरकार का करिश्मा है।

पुनर्मतदान और हिंसा की नौबत आई तो नपेंगे अधिकारी : चुनाव आयोग

» आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में तुरंत होगी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस कप्तानों को प्रदेश में हर हालत में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने की हिदायत दी है। आयोग ने दो टूक शब्दों में कहा है कि कहीं भी पुनर्मतदान या चुनावी हिंसा की नौबत आई तो संबंधित अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने आए आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और आयुक्त अरुण गोयल ने सभी जिलाधिकारियों, मंडलायुक्तों, पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा की।

आयोग ने आचार संहिता का उल्लंघन करने पर तुरंत मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में तुरंत कार्रवाई करें। संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने, चुनाव प्रचार पर रोक लगाने जैसी बड़ी कार्रवाई भी करें। सीईसी ने प्रदेश से जुड़ी सीमाओं पर स्थित जिलों में खास चौकसी रखने के निर्देश दिए। बैठक में सभी जिलाधिकारियों, मंडलायुक्तों और पुलिस अफसरों ने चुनावी होमदेश इंटरव्यू तोड़-मरोड़कर पेश किया गया।

बीजेपी के कारनामों से विपक्ष सतर्क

2024 लोस चुनाव में कई मुद्दों को मिलेगी हवा

- चुनाव को तुष्टीकरण व ध्रुवीकरण करने की तैयारी
- नेताओं ने जनता के बीच लगाने शुरू किए चक्कर
- गृह मंत्रालय ने की है सीएए लाने की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव की आहट के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। पूरे विपक्ष के निशाने पर बीजपी व मोदी सरकार है। केंद्र हो या राज्य की सरकारें जहां-जहां भी बीजेपी सता पर काबिज है उसकी एक गलती पर पूरे देश का माहौल गरमा जाता है। इसम समय यूपी और दिल्ली की दो घटनाओं से वह कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के निशाने पर है पहली घटना में वह डीडीए द्वारा की गई रैट माइनर के घर पर हुई कार्रवाई से आलोचना का शिकार हो ही है तो दूसरी और उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर विपक्षी दल सवाल उठा रहे हैं। वहीं केंद्र सरकार की कुछ घोषणाओं से भी सियासी माहौल गरमाया हुआ है जिसमें सीएए लागू करने की गृहमंत्री की घोषणा महत्वपूर्ण हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सीएए के कार्यान्वयन को रोका नहीं जा सकता क्योंकि यह देश का कानून है। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा सीएए को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा नेता लगातार सीएए को लागू करने का दम भरते है।

गृह मंत्रालय (एमएचए) लोकसभा चुनाव से पहले नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) 2019 नियमों को लागू कर सकता है। जानकारी के मुताबिक घोषणा आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले आने की संभावना है। केंद्र के इस संकेत के बीच असम और बंगाल में सियासत तेज हो गई है। दावा किया जा रहा है कि कई जगहों पर प्रदर्शन शुरू करने की भी तैयारी है। देश में 2019-2020 में इस अधिनियम के खिलाफ कुछ सबसे उग्र विरोध प्रदर्शन देखे थे। असम में 16 भाजपा विरोधी दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए एक ज्ञापन के साथ राज्यपाल से मुलाकात की और केंद्र से सीएए को लागू करने से रोकने का आग्रह किया। वहीं, बंगाल में ममता बनर्जी पहले ही कह चुकी है कि जब तक वह जीवित है, राज्य में सीएए को लागू नहीं होने देंगी। नागरिकता संशोधन कानून 2019 पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के आधार पर पलायन कर भारत आये हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई विदेशियों के लिए प्रासंगिक है। इसका उद्देश्य सताए गए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है - जिनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शामिल हैं, जो बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से चले गए और 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए। नागरिकता कानून में हुए संशोधन का किसी भी भारतीय नागरिक के साथ किसी भी तरह से कोई लेना-देना नहीं है। संसद ने दिसंबर 2019 में संबंधित विधेयक को मंजूरी दी थी और बाद में राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसके विरोध में देश के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। सीएए के विरोध प्रदर्शन के दौरान या पुलिस कार्रवाई में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

मुस्लिम वोटों पर है सबकी नजर

विपक्ष के लगभग सभी दल लगातार सीएए का विरोध कर रहे हैं। इसका बड़ा कारण मुस्लिम वोट बैंक है। विपक्ष के नेता आज भी सीएए के खिलाफ जबरदस्त तरीके से खड़े हैं। ममता बनर्जी तो बंगाल में साफ तौर पर कह रही हैं कि वह सीएए को यहां लागू नहीं होने देंगी। राहुल गांधी भी कई बार कह चुके हैं कि उनकी सरकार आने पर इसे लागू नहीं किया जा सकेगा। विपक्ष इसके जरिए भाजपा पर ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाता है। विपक्ष के नेता सीएए का विरोध मुसलमान का हमदर्द बनने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, असम, बिहार जैसे राज्यों में जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है, वहां विपक्षी नेता लगातार मुस्लिम वोट बैंक को अपने पक्ष में रखना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि अगर मुसलमानों का साथ छूटता है तो उनकी पार्टी की स्थिति और बुरी हो सकती है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की राजनीति मुस्लिम वोट बैंक पर ही टिकी हुई है। अगर मुस्लिम वोट उनसे छिटकता है तो विधानसभा के चुनाव में इसका बड़ा नुकसान उन्हें हो सकता है।

भाजपा अच्छे काम को करती है नजरअंदाज : अखिलेश

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, जिन्होंने लोगों को बचाकर कई घरों को उजड़ने से रोका, उनका घर तोड़ना अच्छा नहीं। भाजपा सरकार क्या इसी तरह अच्छे काम का इनाम देती है। अलग-अलग नेताओं ने सोशल मीडिया के जरिए मामले को लेकर अपने मत प्रस्तुत किए।

बस प्रचार के सहारे बीजेपी : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, वकील हसन ने अपनी जान जोखिम में डालकर उत्तरकाशी सुरंग में फंसे मजदूरों की जान बचाई थी। तब अपने प्रचार के लिए भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं थीं। जब प्रचार खत्म हो गया तो आज उसी वकील हसन को थाने में बंद कर दिया और उनका घर तोड़कर उनके बच्चों के सिर से छत छीन ली। गरीबों का घर तोड़ना, उन्हें कुचलना, प्रताड़ित और अपमानित करना - यह अन्याय ही भाजपा के अन्यायकाल की सच्चाई है। जनता इस अन्याय का जवाब जरूर देगी।

भाजपा तोड़ रही गरीबों के घर : आतिशी

राजधानी में दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी डीडीए ने कई झुग्गियों पर बुलडोजर चलवा दिया। जिसके बाद दिल्ली मंत्री आतिशी ने केंद्र सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निशाना साधा। दिल्ली के खजूरी खास इलाके में डीडीए ने बुलडोजर चलाकर कई घरों को ध्वस्त कर दिया। इन घरों में एक घर उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों की जान बचाने वाले रैट माइनर वकील हसन का भी था। बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर दिल्ली सरकार ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। आतिशी ने कहा कि सिलक्यारा टनल में लोगों को बचाने वाले एक रैट माइनर का घर डीडीए ने बुलडोजर कार्रवाई से ध्वत कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि आज सुबह एलजी साबह ने एक बयान जारी किया है। जो वो रैट माइनर हैं, उन्हें पीएम आवास योजना के तहत एक घर दिया जाएगा। हम एलजी साबह का धन्यवाद करते हैं। लेकिन रैट माइनर एक लौते नहीं हैं। बल्कि अन्य गरीब लोग भी हैं। जिनके घरों पर बुलडोजर कार्रवाई हो रही है। चाहे वो डीडीए हो, चाहे वो एएसआई हो, चाहे वो एलएनडीए हो, चाहे वो रेलवे हो। वो गरीबों के घर या झुग्गियां तोड़ रहे हैं। तुगलकाबाद में भी एएसआई ने कार्रवाई की।

पीएम आवास योजना के तहत मिलेंगे घर: मनोज तिवारी

वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, मुझे बहुत दुख है। ये बात अलग है कि उनका घर अवैध था। उनका एक ही घर था। उन्होंने देश के लिए बहुत अच्छा काम किया है। हमारी उपराज्यपाल महोदय से और दिल्ली विकास प्राधिकरण के वीसी से भी बात हुई है, लेकिन सूचना तब मिली जब उनका घर टूट चुका था। इनको पीएम आवास योजना के तहत घर दिलाएंगे। वहीं, दिल्ली के उपराज्यपाल ने कहा, पिछले साल नवंबर में अपनी टीम के साथ उत्तरकाशी की सिल्कयारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए सम्मानित रैट माइनर वकील हसन के घर को बुलडोजर ढहा दिया गया। मुझे इसके बारे में बताया गया है और हम निश्चित रूप से मुआवजा देंगे। उन्हें एक घर भी मुहैया कराया जाएगा।

डेढ़ साल में लाखों लोगों ने अपना घर खो दिया : भारद्वाज

आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, जब सभी की निगाहें उत्तराखंड पर थी, तो इन रैट माइनरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सुरंग श्रमिकों की जान बचाई। उस समय सभी भाजपा नेता श्रेय लेने के लिए उनके घर गए। डीडीए केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले ने उन रैट माइनरों में से एक का घर तोड़ दिया। बात इस एक घर की नहीं है, पिछले डेढ़ साल में लाखों लोगों ने अपना घर खो दिया है। ये लोग कहां जाएंगे? बिना कुछ दिए उनके विकल्प के तौर पर लोगों को सड़कों पर छोड़ दिया गया है।

भाजपा करना चाहती है वोटों का ध्रुवीकरण

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सीएए के कार्यान्वयन को रोका नहीं जा सकता क्योंकि यह देश का कानून है। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा सीएए को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा नेता लगातार सीएए को लागू करने का दम भरते है। हालांकि बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि 2019 में जो कानून पास किया गया उसे लगभग साढ़े चार साल के बाद लोकसभा चुनाव से ठीक पहले लागू करने की बात क्यों कहीं जा रही है? इसका मतलब साफ है कि सीएए का चुनावी कनेक्शन जरूर है। दरअसल, भाजपा लोकसभा चुनाव में अपने दम पर 370 सीटे जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस कारण भाजपा की ओर से राम मंदिर, सीएए, यूसीसी जैसे भावनात्मक मुद्दे उठाए जा रहे हैं। सीएए के जरिए भाजपा पूर्वोत्तर की राजनीति को साधने की कोशिश कर रही है। बंगाल में इसका सीधा असर हो सकता है। बंगाल की सात लोकसभा सीट पर मतुआ समुदाय निर्नायक भूमिका में होते हैं। सीएए के लागू होने के बाद मतुआ समुदाय को भी भारत की नागरिकता मिल सकेगी। ऐसे में इनका पूरा वोट बीजेपी के साथ हो सकता है। इसके अलावा भाजपा पूरी तरीके से सीएए के जरिए ध्रुवीकरण का माहौल क्रिएट करने की कोशिश करेगी। इससे जातियों में उलझा हिंदू वोट एकमुश्त तरीके से भाजपा के खाते में आ सकता है। सीएए का सबसे ज्यादा विरोध मुसलमान द्वारा किया जा रहा है। सीएए के जरिए भाजपा चुनाव के दौरान हिंदुत्व की वह पिच तैयार करने की कोशिश में है जिस पर पार्टी चौके छक्के लगा सके। लोकसभा चुनाव से पहले इसे लागू कर केंद्र की भाजपा सरकार यह मैसेज देने की कोशिश करेगी कि विपक्षी नेता मुसलमान के साथ खड़े हैं और ऐसे में उसे हिंदुओं का वोट मिल सकेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुप्रीम कोर्ट का जनहित में नायाब फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने सिविल और आपराधिक मामलों के नायाब फैसला दिया है। इस फैसले निश्चित रूप से न्याय मिलने में होने वाली देरी में कमी आएगी। शीर्ष अदालत के इस फैसले से आमजन को मुकदमों की लेटलतीफी से निजात मिलेगी और वह धन हानि से भी बच सकेगा। वहीं प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी न्यायाधीश के लिए कानूनी शक्ति पर्याप्त नहीं है तथा उनके लिए मानव जीवन और लोगों की समस्याओं को समझने की इच्छा ही सबसे मजबूत उपकरण है। इस फैसले के तहत सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में दिए गए अपने फैसले को पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने नए फैसले में कहा है कि सिविल और आपराधिक मामलों में हाईकोर्ट की तरफ से लगाई गई अतंरिम रोक का आदेश अब छह महीने में खुद ब खुद ही खत्म हो नहीं होगा। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अपने एक आदेश में कहा था कि अगर हाईकोर्ट में आगे सुनवाई नहीं होती तो किसी मामले में लगा अतंरिम स्टे 6 महीने बाद ऑटोमैटिक तौर पर खत्म हो जाएगा। जब तक कि उसे हाईकोर्ट द्वारा बढ़ाया ना जाए।

कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि संवैधानिक अदालतों को मामलों पर समयबद्ध तरीके से फैसला लेने के आदेश नहीं देने चाहिए, क्योंकि जमीनी स्तर के मुद्दों की जानकारी संबंधित अदालतों को होती है। ऐसे आदेश केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दिए जाने चाहिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में फैसला सुनाया था कि अगर अदालत द्वारा विशेष रूप से बढ़ाया ना जाए तो हाईकोर्ट और अन्य अदालतों द्वारा दिए गए स्टे के अंतरिम आदेश छह महीने की अवधि के बाद स्वचालित रूप से समाप्त हो जाएंगे। क्या सिविल और आपराधिक मामलों में हाईकोर्ट द्वारा दिए गए अंतरिम रोक का आदेश केवल छह महीने के लिए लागू होने चाहिए (जब तक कि विशेष रूप से आगे बढ़ाया न जाए) या नहीं. इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अपना फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ में जस्टिस अभय एस ओक, जे बी पारदीवाला, जस्टिस पंकज मित्थल, जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर 2023 को 2018 के फैसले के खिलाफ संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उधर न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि इन न्यायाधीशों की पदोन्नति के साथ शीर्ष अदालत एक बार फिर न्यायाधीशों की अधिकतम अनिवार्य संख्या 34 के साथ काम कर रही है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत को उनके अनुभव की विविधता से लाभ होगा।

“ सुप्रीम कोर्ट ने अपने नए फैसले में कहा है कि सिविल और आपराधिक मामलों में हाईकोर्ट की तरफ से लगाई गई अतंरिम रोक का आदेश अब छह महीने में खुद ब खुद ही खत्म हो नहीं होगा। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अपने एक आदेश में कहा था कि अगर हाईकोर्ट में आगे सुनवाई नहीं होती तो किसी मामले में लगा अतंरिम स्टे 6 महीने बाद ऑटोमैटिक तौर पर खत्म हो जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जागरूक मतदाता के हाथ हो राजनीति की नकेल

विश्वनाथ सचदेव

देश के मतदाताओं के मन की बात जानने का दावा करने वालों अथवा अनुमान लगाने वालों का, मानना है कि आज की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आम चुनाव में भाजपा को आसानी से बढ़त मिलने की संभावना है। इस 'आसानी से' का सही आकलन तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे, लेकिन यह तय है कि भारतीय जनता पार्टी जिस शिद्दत के साथ चुनाव की तैयारी में लगी है उसमें किसी भी प्रकार की गफलत के लिए कोई जगह नहीं है। जीत की सारी संभावनाओं के बावजूद प्रधानमंत्री समेत भाजपा का समूचा नेतृत्व जीत के लिए हर जरूरी कोशिश में लगा हुआ है। साम-दाम-दंड-भेद में से कुछ भी छोड़ने के मूड में नहीं है भाजपा नेतृत्व। दूसरी ओर, चुनाव को लेकर विपक्ष की कोशिशें अभी तो आधी-अधूरी ही दिख रही हैं। 'इंडिया' गठबंधन के शुरुआती दौर में यह अवश्य लगा था कि विपक्ष की कोशिशों में कुछ दम है, पर बात बनी नहीं, कोशिश कमजोर पड़ने लगी।

सीटों का बंटवारा आसान नहीं था, यह तो सब जानते थे, पर कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों के स्वार्थ भाजपा से लड़ने के लिए जरूरी मजबूत इरादों की तुलना में इतने कमजोर बन जाएंगे, यह नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने राजनीतिक हितों की रक्षा करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर देश की वर्तमान राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि विपक्ष चुनौती को स्वीकार करने में विफल सिद्ध हो रहा है। आगामी दो महीनों में देश की राजनीति क्या करवट लेती है, यह तो अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन फिलहाल जो स्थिति बनी है उसमें भाजपा के लिए चुनावी लड़ाई आसान होती दिखाई देने वाली है। यह कतई जरूरी नहीं है कि भाजपा के दावे सिद्ध हों ही, पर आज की तारीख में भाजपा 'अबकी बार चार सौ पार' का नारा दे रही है। पूरा समय चुनावी मुद्रा में रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास लगातार तेज होते जा रहे हैं। उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता दिखाई दे रहा है।

चुनाव परिणाम भाजपा के विश्वास की कसौटी पर कितने खरे उतरते हैं, अपनी ताकत पर लोकसभा की तीन सौ सीट भाजपा को मिलती है या नहीं, यह आने वाला कल ही बतायेगा। लेकिन इस संदर्भ में इस बात पर गौर किया जाना जरूरी है कि जनतंत्र की सफलता

और सार्थकता एक मजबूत विपक्ष पर ही निर्भर करती है। दुर्भाग्य से, आज विपक्ष कमज़ोर होता दिख रहा है। जनतंत्र की सफलता के लिए सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन होना जरूरी है। संसद में भारी-भरकम बहुमत वाली सरकार के निरंकुश बनने के खतरे बढ़ जाते हैं और विपक्ष का बहुत कमजोर होना भी जनतंत्र की सफलता के लिए खतरा ही होता है। आजादी प्राप्त करने के बाद के दो-एक शुरुआती चुनावों में हमारी संसद में विपक्ष काफी कमजोर था। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी कांग्रेस के सांसदों को आगाह किया था कि विपक्ष की भूमिका भी उन्हें ही निभानी होगी। विपक्ष का काम सरकार के कामकाज पर नजर रखने का होता है। सरकार की निरंतर चौकसी ही जनतंत्र की सफलता की गारंटी होती है। यह चौकीदारी प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए ही संसद और विधानसभाओं में सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन की अपेक्षा की जाती है। सरकार और विपक्ष दोनों की मजबूती ही जनतंत्र को मजबूत बनाती है। दुर्भाग्य से आज जो स्थिति है वह इस संदर्भ में भरोसा दिलाने वाली नहीं है। भाजपा अपनी ताकत पर 375 सीटें जीतने का दावा कर रही है। इसके लिए वह जिस तरह की कोशिशों में लगी है, वह भी स्वस्थ जनतंत्र की दृष्टि से भरोसा नहीं दिलातीं। हर रोज इस आशय के समाचार मिल रहे हैं कि फलां पार्टी का फलां बड़ा नेता भाजपा में शामिल हो गया है। विपक्ष के नेताओं को अपने पाले में लाने के लिए भाजपा को आज इस बात की भी चिंता नहीं है कि उसका दामन थामने वाले की छवि कैसी है। कल तक जिसे वह घोर भ्रष्टाचारी बता रही थी, वही व्यक्ति उसके लिए स्वीकार्य बन रहा है।

न भाजपा में शामिल होने वालों को इस बात की शर्म आ रही है कि कल तक वह भाजपा को कोस रहे थे और न ही भाजपा को इस बात की कोई चिंता है कि कल तक वह ऐसे नेताओं को गलत साबित करने में एड़ी-चोटी का पसीना बहा रही थी। स्पष्ट है हमारी राजनीति में आज नैतिकता जैसी किसी चीज के लिए कोई जगह नहीं है। मान लिया गया है कि राजनीति में सब कुछ जायज है— और दुर्भाग्य यह भी है कि ऐसा मानने वालों में सत्तारूढ़ भाजपा कहीं अधिक सक्रिय दिखाई दे रही है। सन 2014 में जब भाजपा सत्ता में आई थी तो उसका सबसे बड़ा नारा कांग्रेस-मुक्त भारत बनाने का था।

पाक की पहली महिला मुख्यमंत्री मरियम नवाज

अरुण नैथानी

पाकिस्तान के किसी भी प्रांत में मुख्यमंत्री बनने वाली मरियम नवाज पहली महिला हैं। वे इसी माह हुए चुनाव में पाक संसद के लिये चुनी गई थीं। उन्हें पाकिस्तान में बेहद विवादित महिला राजनेता के रूप में जाना जाता है। पिछले दिनों पर्दे के पीछे से सेना के गहरे दखल के बीच पाकिस्तान में लोकतंत्र का प्रहसन पूरी दुनिया ने देखा। उसके बाद अब राजनीतिक वंशवाद की फसल लहलहा रही है। राजनीति के चतुर खिलाड़ी नवाज शरीफ ने सत्ता के लिये शतरंज की बिसात बिछाई तो मुल्क की बागडोर थामने के लिये थी, लेकिन जनाक्रोश ने तस्वीर बदल दी। जेल के भीतर से भी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान खेला करने में कामयाब हो गए। तमाम चुनावी धांधलियों के बावजूद राजनीतिक हालात ऐसे बन गए कि नवाज चाहकर भी प्रधानमंत्री न बन सके। फिर उन्होंने जोड़तोड़ करके सत्ता की बागडोर भाई के जरिये हासिल करने की कोशिश की।

साथ ही अपने राजनीतिक गढ़ पंजाब के मुख्यमंत्री रहे शहबाज शरीफ के केंद्रीय सत्ता में आने के बाद वहां की राजनीति पर भी वर्चस्व बनाये रखना मकसद था। फलतः बड़ी बेटी मरियम को पंजाब सूबे की कमान सौंप दी गई है। पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ के मुखर विरोध और बहिष्कार के बीच मरियम नवाज को पंजाब प्रांत का मुख्यमंत्री चुन लिया गया है। यूं तो मरियम नवाज को राजनीति विरासत में मिली है, लेकिन काफी अर्से तक वे पिता व चाचा के साथ राजनीतिक अभियानों में हिस्सेदार रही हैं। पिता के राजनीतिक अभियानों से पहले दूर रहने वाली मरियम तब सुर्खियों में आई जब उनके पिता का तख्ता पूर्व सेनाध्यक्ष परवेज मुशर्रफ ने पलटा था। वर्ष 1999 के दौरान जनरल मुशर्रफ ने नवाज शरीफ को कैद में डाल दिया था। तब मरियम अपनी मां के साथ पिता को रिहा कराने के लिये सड़कों पर उतरीं। उन्होंने जनरल मुशर्रफ की सैन्य तानाशाही के खिलाफ जनमत बनाने का प्रयास किया। दरअसल, सैन्य तानाशाह ने शरीफ परिवार के सभी पुरुषों को या तो गिरफ्तार कर लिया था या फिर वे नजरबंद थे। फिर कूटनीतिक प्रयासों से मामले में सऊदी अरब की एंट्री हुई। सऊदी शासक की मदद से नवाज शरीफ व परिवार को अभयदान दिलाया गया। एक समझौते के बाद शरीफ परिवार सऊदी अरब में निर्वासित जीवन जीने लायक बना।

राजनीतिक पंडित बताते हैं कि निर्वासन के दौरान मरियम ने राजनीति का ककहरा सीखा और खुद को पाक के चुनौतीपूर्ण हालात के लिये तैयार करने का प्रयास किया। कालांतर में वर्ष 2007 में शरीफ परिवार की वापसी हो सकी। वैसे मरियम की राजनीतिक सक्रियता की पारी चाचा शहबाज के चुनाव अभियानों में शिरकत करने के साथ शुरू हुई। उन्होंने महिला वोटरों को रिझाने के लिये विभिन्न अभियानों में भाग लिया। एक महिला होने के नाते उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास किया। पढ़ी-लिखी मरियम ने बदलते वक्त के साथ सोशल मीडिया के महत्व को समझा और पार्टी के लिये इस अभियान में गहरी पकड़ बनायी। दरअसल, इमरान खान की पार्टी पीटीआई की लगातार युवाओं में बढ़ती लोकप्रियता का मुकाबला करने के लिये मरियम ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। फिर वे पिता द्वारा स्थापित पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन के सोशल मीडिया सेल को मजबूत करने में सूत्रधार बनी, लेकिन सक्रिय राजनीति में नहीं रही। इस साल हुए विवादित चुनावों में वे नेशनल असेंबली के लिये पहली बार चुनी गईं।

नवाज शरीफ की सबसे बड़ी संतान मरियम नवाज लंबे समय तक चुपचाप अपने दो बच्चों की परवरिश में लगी रही हैं। यूं तो शरीफ परिवार अपनी रुढ़िवादी परंपराओं के लिये जाना जाता है। ऐसे में बेटी के राजनीति में आने की संभावना को लोग कम ही देखते थे। लेकिन राजनीतिक हालात और नवाज व सेना के बीच जारी टकराव ने मरियम के सक्रिय राजनीति में आने के हालात बना दिये। उनका विवाह एक सैनिक अधिकारी से हुआ है। उनके पति नब्बे के दशक में नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री काल में एडीसी थे। यूं तो मरियम का आकर्षक व्यक्तित्व पाकिस्तानी अवाम को प्रभावित करता रहा है, लेकिन उनकी गिनती पाकिस्तान के खासे विवादित लोगों में होती है। वे मुखर हैं और अच्छी वक्ता हैं। उनकी पार्टी के लोग मुश्किल वक्त में संगठन का नेतृत्व करने के लिये उनकी प्रशंसा करते हैं। तो दूसरी ओर विपक्षी राजनीतिक दल वंशवाद की उपज मरियम को लेकर लगातार आक्रामक रहे हैं। उनका मानना है कि वह शरीफ परिवार के भ्रष्टाचार की पोषक हैं।

पाकिस्तान में पिता की राजनीति को संबल देने में लगी मरियम यूं तो सक्रिय राजनीति में नहीं रही, लेकिन जब नवाज तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उन्हें युवा विकास कार्यक्रम का सर्वेसर्वा बनाया गया। लेकिन उनकी नियुक्ति को लेकर विपक्ष ने खासा हंगामा किया और मामले के अदालत जाने पर मरियम को पद छोड़ना पड़ा। वे रणनीतिक रूप से सोशल मीडिया अभियानों का संचालन करती रहीं। लेकिन नवाज की तीसरी पारी के दौरान उनके दखल को लेकर आलोचना हुई। आरोप लगा कि वह सुपर प्रधानमंत्री के रूप में काम करती रही हैं। उन्हें भ्रष्ट वंशवादी राजनीतिक विरासत वाहक बताया गया। कालांतर में पनामा पेपर्स लीक मामले में उनका नाम भी सामने आया, जिसमें विदेशी कंपनियों के साथ आर्थिक भागेदारी का मामला भी उछला। उनकी विदेशों में संपत्ति को लेकर भी चर्चा हुई। बाद में सेना के संरक्षण में बढ़ते राजनीतिक विरोध व अदालती कार्रवाई के बीच नवाज को सत्ताच्युत कर दिया गया।

हेरिटेज विलेज

अबू धाबी की सैर हेरिटेज विलेज को बिना घूमें अधूरी सी है। हेरिटेज विलेज पारंपरिक बेदूइन गांवका रिपलिका है। यहां इमीराती जीवन का अनुभव कर सकते हैं। वह सारी चीजें हेरिटेज विलेज में मौजूद हैं, जिन्हें इमीराती लोग इस्तेमाल करते थे। साथ ही वर्कशॉप में इमीराती मेटल वर्क और सिलाई स्किल देखने को मिलती है।

सादियात पब्लिक बीच

परिवार या दोस्तों के साथ अबू धाबी घूमने जा रहे हैं तो सादियात पब्लिक बीच बेहतर जगह है। यहां समूह में घूमने में अधिक आनंद आएगा। वाटर स्पोर्ट्स, बोटिंग और समुद्र तट पर कॉकटेल का मजा लेने के लिए इस बीच पर आएं।

अबू धाबी में हिंदू मंदिर के दर्शन के साथ यहां की भी करें सैर

अबू धाबी में राजस्थान के गुलाबी बलुआ पत्थरों से निर्मित यह भव्य हिंदू मंदिर अपनी सुंदरता से दुनियाभर के लोगों को आकर्षित कर रहा है। मंदिर को 27 एकड़ क्षेत्र में बनाया गया है। 108 फुट ऊंचा यह मंदिर वास्तुशिल्प का चमत्कार माना जा रहा है। यहां मंदिर के दोनों किनारों पर गंगा और यमुना नदी का पवित्र जल बह रहा है, जो कि विशाल कंटेनरों में भारत से लाया गया है। मंदिर की बाहरी दीवारों को भारत के बलुआ पत्थर का इस्तेमाल करके बनाया गया, जबकि आंतरिक दीवारें सफेद इतालवी संगमरमर से बनाई गई हैं। इस विशाल और अद्भुत हिंदू मंदिर के दर्शन के लिए भारत ही नहीं विदेशों से भी पर्यटक पहुंचेंगे। ऐसे में अगर आप अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे हैं तो यहां के अन्य मशहूर पर्यटन स्थलों की सैर भी कर सकते हैं।

डेजर्ट सफारी

एडवेंचर पसंद है तो डेजर्ट सफारी के लिए जाएं। संयुक्त अरब अमीरात अपने रेगिस्तानों के लिए प्रसिद्ध है। डेजर्ट सफारी आपको रोमांच का अनुभव कराएगा। यहां ड्यून ड्राइविंग आव व्हीलर का आनंद उठा सकते हैं। डेजर्ट कैम्पिंग के लिए जा सकते हैं।

अबू धाबी में हिंदू मंदिर

यूएई के सात अमीरातों का प्रतिनिधित्व करने वाले सात शिखर, ऊंटों की नक्काशी और राष्ट्रीय पक्षी बाज हिंदू मंदिर में मेजबान देश की झलक पेश कर रहे हैं। पत्थरों से इन मूर्तियों को निर्मित किया गया है, जो मंदिर की सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं। मंदिर में बनाए गए सात शिखर यूएई के सात अमीरात का प्रतिनिधित्व करते हैं। सात शिखर सात अहम देवताओं को समर्पित हैं। ये शिखर संस्कृतियों और धर्मों के परस्पर संबंध को रेखांकित करते हैं। आम तौर पर हमारे मंदिरों में या तो एक शिखर होता है या तीन या पांच शिखर होते हैं, लेकिन यहां सात शिखर सात अमीरात की एकता के प्रति हमारा आभार व्यक्त करते हैं। मेजबान देश को समान प्रतिनिधित्व देने के लिए मंदिर में भारतीय पौराणिक कथाओं में अहम स्थान रखने वाले हाथी, ऊंट और शेर के साथ-साथ यूएई के राष्ट्रीय पक्षी बाज को भी शामिल किया गया है। मंदिर में रामायण और महाभारत सहित भारत की 15 कहानियों के अलावा माया, एज्टेक, मिस्र, अरबी, यूरोपीय, चीनी और अफ्रीकी सभ्यताओं की कहानियों को भी दर्शाया गया है।

हंसना मना है

आज कुछ घबराये से लगते हो, ठंड में कपकपाये से लगते हो, निखर कर आई है सुरत आपकी, बहुत दिनों बाद नहाये से लगते हो।

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फोन करता है.. सासूजी: कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज रोज फोन करते हो? जमाई: सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

पापा: बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा.. पप्पू: थैंक्यू पापा जी, पापा: अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

मैंने दरवाजा खोला तो, उसकी आंखों में आंसू, चेहरे पर हंसी थी, सांसों में आहे, दिल में बेबसी थी, पगली ने पहले नही बताया की, दरवाजे में उसकी ऊंगली फंसी थी।

सरदार लड़की वालों के यहां रिश्ता लेकर पहुंचा, मां-बाप बोले- हमारी बेटी अभी पढ़ रही है, सरदार बोला: कोई बात नहीं जी, हम एक-दो घंटे बाद आ जायेंगे।

पप्पू: मेरे बाप के आगे बड़े बड़े लोग कटोरी लेके खड़े होते है, लड़की: अच्छा! कौन है तुम्हारा बाप? पप्पू: पानी पूरीवाला।

कहानी — सुनहरा गोबर

एक बार की बात है, किसी शहर में एक बड़े से पेड़ पर एक पक्षी रहता था, जिसका नाम था सिन्धुक। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि उस पक्षी का मल सोने में बदल जाता था। यह बात किसी को भी पता नहीं थी। एक बार उस पेड़ के नीचे से एक शिकारी गुजर रहा था। शिकारी उस पेड़ के नीचे आराम करने के लिए ठहरा। वो आराम कर ही रहा था कि इतने में सिन्धुक पक्षी ने उसके सामने मल त्याग कर दिया। जैसे ही पक्षी का मल जमीन पर पड़ा, वो सोने में बदल गया। यह देखते ही शिकारी बहुत खुश हुआ और उसने उस पक्षी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। सिन्धुक जाल में फंस गया और शिकारी उसे अपने घर ले आया। पिंजरें में बंद सिन्धुक को देख शिकारी को चिंता सताने लगी कि अगर राजा को इस बारे में पता चला, तो वो न सिर्फ सिन्धुक को दरबार में पेश करने को कहेंगे बल्कि मुझे भी सजा देंगे। यह सोचकर, डर के मारे शिकारी ने खुद ही सिन्धुक को राज दरबार में पेश कर राजा को सारी बात बताई। राजा ने आदेश दिया कि सिन्धुक को सावधानी से रखा जाए और उसे अच्छे से खाना खिलाया जाए। ये सब सुनने के बाद मंत्री ने राजा को कहा, आप इस बेवकूफ शिकारी की बात पर भरोसा मत कीजिये। कभी ऐसा होता है क्या कि कोई पक्षी सोने का मल त्याग करे। इसलिए, अच्छा होगा कि इसे आजाद करने का आदेश दें। मंत्री की बात सुनकर राजा ने चिड़िया को आजाद करने का आदेश दिया। सिन्धुक उड़ते-उड़ते राजा के दरवाजे पर सोने का मल त्याग करके गया। यह देखते ही राजा ने मंत्रियों को उसे पकड़ने का आदेश दिया, लेकिन तब तक वो पक्षी उड़ चुका था। उड़ते-उड़ते सिन्धुक कह गया, मैं बेवकूफ था, जो शिकारी के सामने मल त्याग किया, शिकारी बेवकूफ था, जो मुझे राजा के पास ले गया, राजा बेवकूफ था, जो मंत्री की बात में आ गया। सभी बेवकूफ एक जगह ही हैं।

कहानी से सीख-कभी भी दूसरे की बातों में नहीं आना चाहिए और अपने दिमाग से काम लेना चाहिए।

7 अंतर खोजें

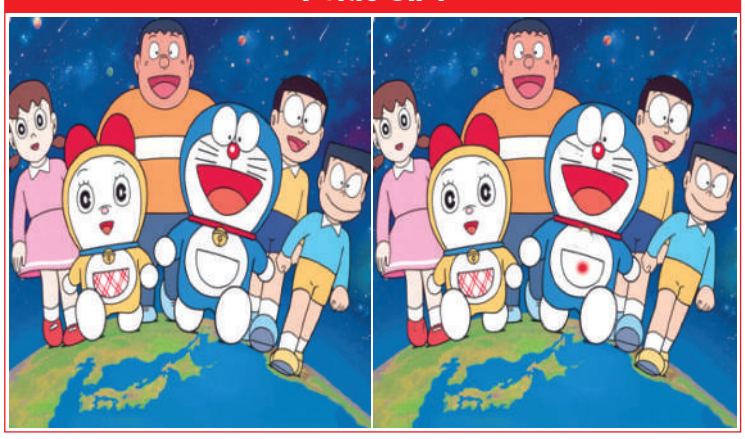

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी।

वृषभ — यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें।

मिथुन — किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें।

कर्क — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

सिंह — बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कन्या — धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

तुला — बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। दूसरे लोग आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे।

वृश्चिक — घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु — नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। जल्दबाजी न करें। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी।

मकर — सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

कुम्भ — नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मीन — स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा।

अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जलवा बिखेरेगी 'दृश्यम'

बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म दृश्यम को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। फिल्म की कहानी ने हर किसी को हैरान किया। साल 2024 अजय देवगन के लिए काफी लकी साबित हुआ है। एक बार फिर से अजय देवगन के फैंस के लिए खुशखबरी सुनने में आ रही है। एक्टर की सबसे सक्सेसफुल फ्रेंचाइजी में से एक दृश्यम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। इंडियन और चाइना मार्केट पर अपना दबदबा बनाने के बाद अब ये कल्ट फ्रेंचाइजी दृश्यम ग्लोबली अपना जादू चलाने के लिए तैयार है। अब ये फिल्म हॉलीवुड में भी अपना जादू चलाने के लिए तैयार है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री ट्रैकर और कोलमिस्ट श्रीधर पिल्लई ने अपने ट्वीट में इस बात की जानकारी दी है।

श्रीधर पिल्लई ने अपने ट्वीट में लिखा है दृश्म फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 में थ्रिलर फ्रेंचाइजी के कोरियाई रीमेक की घोषणा के बाद अब पैनोरमा स्टूडियोज ने हॉलीवुड में दृश्यम बनाने के लिए गल्फस्ट्रीम पिक्चर्स और जोट फिल्म्स के साथ हाथ मिला लिया है। बता दें गल्फस्ट्रीम पिक्चर्स के को-फाउंडर माइक कर्ज और बिल बिंदले हैं। गल्फस्ट्रीम पिक्चर्स

कई सुपरहिट रोमांटिक कॉमेडी हॉलीवुड फिल्में बना चुकी है। इनमें से एक है ब्लेंडेड। इस फिल्म में एडम सैंडलर और ड्रू बैरीमोर के साथ कैमिला मेंडेस लीड रोल में नजर आई थीं। वहीं JOAT फिल्म्स अंतर-क्षेत्रीय स्थानीय भाषा रीमेक में माहिर है। पैनोरमा स्टूडियोज ने दृश्यम 1 और 2 के ओरिजिनल प्रोड्यूसर से फिल्म के इंटरनेशनल राइट्स खरीद लिए हैं। जिसके चलते अब दृश्यम फिल्म यूएस ,कोरिया के अलावा कई भाषाओं में बनाई जा सकेगी। इसके अलावा फिल्म के स्पैनिश वर्जन के लिए भी जल्द एक डील साइन की जाएगी। दृश्यम फ्रैंचाइज की इस सफलता पर पैनोरमा स्टूडियोज के मैनेजिंग चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कुमार मनोज पाठक ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर किया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि दृश्यम फिल्म ने बड़ी ही चालाकी से मार्केट में अपनी जगह क्रिएट की है। इस फिल्म की डिमांड अब दुनियाभर से की जा रही है।

फिर दर्शकों के बीच आ रही है काली काली आंखें

वेब सीरीज का टीजर हुआ रिलीज

श्वेता त्रिपाठी, ताहिर भसीन और आंचल सिंह मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 को लेकर एक बार फिर दर्शकों के बीच हाजिर होने जा रहे हैं। नेटफ्लिक्स की इस सीरीज के पहले भाग ने भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग हासिल कर ली थी। अब मेकर्स ने सीरीज के दूसरी सीजन का टीजर भी जारी कर दिया है।

हालांकि, अब तक रिलीज डेट तय नहीं हो पाई है, लेकिन टीजर के बाद सीरीज के लिए इंतजार कर पाना मुश्किल हो गया है। टीजर में ताहिर राज भसीन और श्वेता त्रिपाठी को नई चुनौतियों का सामना करते हुए देखा जा रहा है। इनकी मुसीबतों को बढ़ाने में आंचल सिंह किसी

भी तरह की कमी नहीं छोड़ रही हैं। वहीं, इस सीजन में गुरमीत चौधरी की भी एंट्री हो गई है। कुल मिलाकर कहें तो टीजर काफी शानदार दिख रहा है। ये काली काली आंखे एक क्राइम थ्रिलर सीरीज है। उत्तर प्रदेश की राजनीति पृष्ठभूमि पर बनी इस सीरीज के दूसरे सीरीज में भी श्वेता, ताहिर और आंचल ही लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इसका पहला सीजन ऐसे सस्पेंस के साथ खत्म किया गया था कि दूसरे सीजन को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे।

अब माना जा रहा है कि दूसरे भाग के लिए लंबा इंतजार नहीं करना होगा। ये काली काली आंखें के पहले सीजन में दिखाया गया था कि एक शख्स कैसे राजनेता की बेटी के प्यार में सारी हदें पार कर देता है। अब इसी कहानी को आगे बढ़ाते हुए इस सीरीज के दूसरे सीजन में खूब ट्वीस्ट एंड टर्न्स देखने को मिलने वाले हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

शोले की तरह आज तक कोई एक्शन फिल्म नहीं बनी : करण

करण जौहर अपनी आने वाली फिल्म योद्धा का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, राशी खन्ना और दिशा पाटनी नजर आने वाली हैं। प्रमोशन के बीच करण जौहर ने बॉलीवुड वर्सेज साउथ सिनेमा को लेकर चल रही डिबेट पर बड़ी बात कह दी है। योद्धा के ट्रेलर लॉन्च के दौरान फिल्ममेकर ने कई मुद्दों पर अपनी राय रखी है। वहीं बॉलीवुड वर्सेज साउथ सिनेमा को लेकर चल रही डिबेट पर कहा कि मैंने एस एस राजामौली की बाहुबली 2 को हिंदी में रिलीज किया था। ये फिल्म सुपरहिट हुई थी। इसका क्रेडिट कोई और नहीं ले सकता है। हिंदी सिनेमा के बारे में बात करते हुए करण ने कहा कि शोले की तरह आज तक कोई एक्शन फिल्म नहीं बनाई गई है। आज भी आप अगर एक्शन की बात करें, तो शोले से बेहतर कोई और फिल्म नहीं है। हिंदी सिनेमा का गर्व है शोले। हिंदी सिनेमा की मोहब्बत है शोले। हम किसी और को क्रेडिट जरूर देंगे, लेकिन उससे पहले हमें अपने आपको भी क्रेडिट देंगे। बीते दिन सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म योद्धा का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया था, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इस ट्रेलर को फिल्म की पूरी टीम ने मिलकर हवाई जहाज से मिड एयर लॉन्च किया, जो काफी यूनिक था। बता दें हिंदी सिनेमा के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी फिल्म के ट्रेलर को मिड एयर में रिलीज किया गया हो। फिल्म में सिद्धार्थ एक सोल्जर के किरदार में दिखने वाले हैं, जो एयरप्लेन हाईजैक करने वाले आतंकियों से लड़ता है और प्लेन में मौजूद सभी पैसेंजर को सही सलामत बचा कर लाता है। फिल्म करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस में बनी है, जिसे 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

इस गांव को कहा जाता है जमाईपुरा यहां अधिकतर घरों में रहते हैं जमाई

अजब गजब किस्से और चीजें हर जगह देखने सुनने मिल जाती हैं। यूपी में तो कस्बेनुमा एक कॉलोनी ही ऐसी है जो अपने नाम और काम सबमें अजब गजब है। अपनी इस अजब वजह से इसका नाम भी ऐसा ही पड़ गया है।

पुराने समय में घर जमाई की कहीं कहीं परंपरा होती थी। एक ऐसी परंपरा जिसमें शादी के बाद दामाद अपने ससुराल यानि बीवी के घर आकर रहने लगता है। जमाई यानि दामाद और जो ससुराल आकर रहने लगे उसे घर जमाई का नाम दिया जाता है। बागपत में तो पूरी एक कॉलोनी है जिसे जमाईपुरा ही कहा जाता है। ऐसी ही एक परंपरा आपको खेकड़ा कस्बे की कॉलोनी जमाई पुरा में देखने मिलती है। बात 37 साल पुरानी है। 1987 में इस कॉलोनी में चार ऐसे परिवार रहने लगे जिन्होंने खेकड़ा कस्बे की लड़कियों से शादी की और यहीं पर आकर बस गए। तब इस कॉलोनी को जमाई पुरा का नाम दिया गया। इन्होंने ये मोहल्ला बसा दिया। बस स्थानीय लोग इसे जमाईयों के नाम से जानने लगे और मोहल्ले का नाम ही जमाईपुरा कहलाने लगा। आज के समय में इस जगह अब करीब 500 परिवार रहते हैं। खेकड़ा नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 13 की कॉलोनी जमाईपुरा का नाम प्रेमपुरी कर दिया गया है। वर्तमान सभासद लियाकत अंसारी बताते हैं कि 1987 में इस कॉलोनी को बसाया गया। यहां रहने वाले परिवार की लड़कियों से बाहरी परिवार के लड़कों ने शादी की और फिर वो यहीं ससुराल में रहने लगे। तभी से इस कॉलोनी को जमाई पुरा कहा जाने लगा। खेकड़ा कस्बे में आज भी यह कॉलोनी जमाईपुरा के नाम से ही जानी जाती है। कुछ समय बाद इसका नाम बदलकर प्रेमपुरी रख दिया गया। लेकिन चलन में आज भी जमाई पुरा नाम ही है।

अजब-गजब | बहुत लोगों को नहीं होगी इस बारे में जानकारी

क्षेत्रफल में विश्व का सबसे बड़ा देश है रूस

दुनियाभर में कुल 195 से ज्यादा देश हैं। इतिहास में कई बड़े देश छोटे-छोटे देशों में बंट गये हैं और कई छोटे देश विलीन होकर बड़े देश बन गये हैं। लेकिन इनमें से कौन सा देश सबसे बड़ा है और कौन सा सबसे छोटा? क्या आप बता सकते हैं? यकीन मानिए बहुत से लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं होगी।

रिसर्च से पता चलता है कि बड़े देशों में छोटे देशों की तुलना में अधिक भौगोलिक, जलवायु और जैविक विविधता होती है। लेकिन ये जानना दिलचस्प है कि आकार की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा देश कौन सा है।

आपको बता दें कि क्षेत्रफल की दृष्टि से रूस विश्व का सबसे बड़ा देश है। इसे पहले सोवियत संघ के नाम से जाना जाता था। इसका क्षेत्रफल बहुत बड़ा है। इसे आप दुनिया का एक तिहाई हिस्सा भी कह सकते हैं। रूस अभी भी उत्तरी एशिया और पूर्वी यूरोप के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखता है। रूस यूरोपीय महाद्वीप का सबसे बड़ा देश है, जो एशिया से सटा है। इसका क्षेत्रफल लगभग 17.098 मिलियन वर्ग किलोमीटर है, जो पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल का 11 प्रतिशत है। अपार प्राकृतिक संसाधनों से भरा हुआ ये देश दुनिया की महाशक्ति भी है, जिससे उलझने की हिम्मत बहुत कम देशों में है। अगर रूस तेल और गैस

देना बंद कर दे, तो दुनिया के कई देशों में अंधेरा हो जाएगा। खाना बनाना मुश्किल हो सकता है। रूस यूरोप की अधिकांश गैस जरूरतों की आपूर्ति करता है। चीन की तरह रूस की सीमा भी 14 देशों से लगती है।

वहीं, इस देश की आबादी करीब 14 करोड़ है। रूस खनिज संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन इसका अधिकांश भाग अभी भी अप्रयुक्त है। लगभग साल भर बर्फबारी की स्थिति के कारण, देश को दुनिया के सबसे ठंडे देशों में से एक माना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। इसके बारे में बहुत कम लोगों को ही जानकारी है। लेकिन आपको बता दें कि उत्तरी अमेरिका के उत्तरी भाग में स्थित इस देश का क्षेत्रफल लगभग 9.984 मिलियन वर्ग किलोमीटर है। यह उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप का 41 प्रतिशत और पृथ्वी के कुल भूमि क्षेत्र का 6.7 प्रतिशत भाग घेरता है।

हालांकि, यहां की जनसंख्या इसके आकार की तुलना में बहुत कम है। यहां प्रति वर्ग किलोमीटर केवल 4 लोग रहते हैं और कुल आबादी 35 मिलियन यानी 3.5 करोड़ है। देश में 202,080 किमी लंबी तटरेखा भी है, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश से अधिक है।

गडकरी ने खरगे व जयराम को भेजा कानूनी नोटिस

» 24 घंटे के भीतर पोस्ट को हटाने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया (एक्स) पर अपने एक इंटरव्यू का कुछ हिस्सा तोड़-मरोड़कर पेश करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी महासचिव जयराम रमेश को कानूनी नोटिस भेजा है। गडकरी ने कहा कि कांग्रेस ने उनके इंटरव्यू के प्रासंगिक अर्थ और उद्देश्य को छिपाकर 19 सेकंड की ऑडियो और विजुअल क्लिपिंग पोस्ट की।

वायरल वीडियो में गडकरी कह रहे हैं- गांव, गरीब, मजदूर और किसान दुखी हैं

नोटिस में कहा गया है, उपरोक्त वीडियो को अपलोड करके इंटरव्यू को आपके माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स वॉल पर भी तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया गया है, जो संदर्भहीन और प्रासंगिक अर्थ के बिना पेश किया गया है। कांग्रेस द्वारा एक्स पर साझा किए गए वीडियो में गडकरी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, गांव, गरीब, मजदूर और किसान दुखी हैं, गांवों में अच्छी सड़कें नहीं हैं, पीने के लिए पानी नहीं है, अच्छे अस्पताल नहीं हैं, कोई अच्छे स्कूल नहीं हैं।

गडकरी ने दावा किया कि यह कपट कांग्रेस नेताओं ने प्रशंसक और भ्रम, सनसनी और बदनामी पैदा करने के एकमात्र इरादे से किया गया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कांग्रेस से कानूनी नोटिस भेजे जाने के 24 घंटे के भीतर पोस्ट को हटाने के लिए कहा है और तीन दिनों के भीतर लिखित माफी की भी मांग की है।

वीडियो क्लिप को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस नेताओं द्वारा उनका अपमान करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है, साथ ही भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को वैचारिक दरार पैदा करने के लिए उकसाने के इरादे के साथ यह कदम उठाया गया है। इस क्लिप के से उनकी प्रतिष्ठा क्षति, मानहानि और विश्वसनीयता की बड़ी हानि हुई है।

राजनीति की पिच से रिटायर्ड हर्ट हुए गौतम

» ट्वीट कर दायित्वों से मुक्त करने का किया अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट कर राजनीति से दूरी बनाने के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने कहा है कि मैंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुझे अपने राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने का अनुरोध किया है, जिससे मैं क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकूं।

गौतम गंभीर ने लिखा है कि मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द! 2019 के लोकसभा चुनाव में पूर्वी दिल्ली सीट पर क्रिकेटर गौतम गंभीर ने बड़ी जीत दर्ज की थी। आप की आतिशी और कांग्रेस नेता अरविंदर सिंह लवली पर भारी पड़ते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर 3 लाख 90 हजार के विशाल अंतर से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। चुनावी मैदान में गंभीर ने पहली बार कदम रखा था और जीत दर्ज की थी। गंभीर ने 2018 में इंटरनेशनल क्रि केट को अलविदा कह दिया था। उसके बाद से वो सेना, जवानों और बाकी सामाजिक मुद्दों पर ट्विटर के जरिए अपनी राय रखा करते थे। राष्ट्रवादी छवि बनाने के बाद से ही चर्चा थी कि गंभीर जल्द ही भाजपा ज्वॉइन कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को कभी माना नहीं। क्रिकेट के मैदान पर आक्रामक रुख के लिए मशहूर रहे इस खिलाड़ी ने राजनीति में भी जोरदार शुरुआत की थी। ताबड़तोड़ रोड शो किए। धुआंधार रैलियां की थीं। गंभीर के अचानक इस फैसले से राजनीतिक जानकार भी थोड़ा अचंभित जरूर हैं।

'पेपर लीक मामले की सीबीआई से हो जांच'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऊंचाहार (रायबरेली)। आजाद अधिकार सेना के प्रमुख व पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर रामलीला मैदान पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एनटीपीसी परियोजना के मजदूरों और प्रदूषण पर बातचीत की। कहा कि गंगा में गंदगी डाली जा रही है और मजदूरों का शोषण हो रहा है, जिसे लेकर वह आवाज उठाएंगे।

पेपर लीक मामले में सीबीआई से जांच कराने की मांग करने के साथ ऊंचाहार विधायक मनोज पांडेय पर भी निशाना साधा। अमिताभ ठाकुर ने बताया कि उनकी पार्टी का मुख्य उद्देश्य अत्याचार, भ्रष्टाचार व अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना है। आरोप लगाया कि क्षेत्रीय विधायक ने जांच के डर से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। पेपर लीक मामले में एसटीएफ से कराई जा रही जांच पर नाराजगी जताई और मामले की सीबीआई से जांच कराने की बात कही। कहा कि केंद्र सरकार ईडी व सीबीआई तो यूपी सरकार एसटीएफ का दुरुपयोग करती है। इस मौके पर शैलेश चौधरी, सुरेश कुमार, उमेश त्रिपाठी, प्रकाश सिंह, विपुल सिंह, अतुल शर्मा मौजूद रहे।

रैट माइनर वकील हसन अपने परिवार संग फुटपाथ पर सोये

» डीडीए से घर लेने से किया इंकार बोले- अब रात को एक चुनौती के रूप में कर लिया स्वीकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रैट माइनर वकील हसन ने घर गिरने के बाद फुटपाथ पर रह रहे हैं। घर के बाद वकील हसन और उनके परिवार ने दूसरी रात फुटपाथ पर बिताई। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उन्हें दूसरा घर देने की बात कही, जिसे वकील हसन ने अस्वीकार कर दिया।

वकील हसन ने कहा, मैं और मेरा परिवार खुले में रात गुजार रहे हैं। कुछ स्थानीय लोग हमें भोजन और पानी आदि मुहैया करा रहे हैं। हमने अब रात को एक चुनौती के रूप में स्वीकार कर लिया है। वकील हसन ने कहा कि परिवार को अब तक सरकार से कोई मदद नहीं मिली है। हसन खनिकों की उस टीम का हिस्सा थे, जिन्होंने पिछले साल नवंबर में उत्तरकाशी की सिल्क्यारा सुरंग के मलबे में मैन्युअल ड्रिलिंग करके फंसे 41 श्रमिकों को बचाया था। पूर्वोत्तर दिल्ली के खजूरी खास स्थित उनके घर को डीडीए ने बुधवार को तोड़फोड़ अभियान में ढहा दिया। उन्होंने गुरुवार को बताया कि डीडीए अधिकारियों ने उनसे कहा था कि उन्हें एक घर मुहैया कराया जाएगा, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। क्योंकि यह केवल मौखिक आश्वासन था।

सुबह से हो रही बारिश ठंडा हो गया मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम बदल गया है। आगरा समेत कई इलाकों में बारिश हुई। कहीं जमकर बादल बरसे, तो कहीं-कहीं हल्की बौछार देखने को मिली। वहीं शनिवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला नजर आया। जोरदार बारिश ने लोगों के कदम थाम दिए। आने वाले दिनों को लेकर मौसम विभाग ने बारिश-ओलावृष्टि से मौसम बिगड़ने की आशंका जताई है। शुक्रवार को दोपहर के बाद मौसम बदल गया।

» राजधानी भी तरबतर ओले गिरने की आशंका

आसमान में बादल छा गए। ये शाम ढलते-ढलते बरस पड़े। रुक-रुककर कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हुई। बरहन में कुछ जगहों पर ओले भी पड़े। अधिकतम तापमान 30.6 और न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पश्चिमी विक्षोभ के चलते शनिवार को भी बारिश के साथ ओले पड़ने की आशंका है। शुक्रवार-शनिवार के लिए मौसम विभाग के पूर्वानुमान केंद्र ने बारिश और ओले पड़ने की आशंका व्यक्त की थी। शुक्रवार को दोपहर करीब 2.30 बजे बादल छाना शुरू हो गए। शाम 5 बजे के बाद रुक-रुक कर कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हुई। तेज हवा भी चली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार शनिवार को भी बारिश के साथ ओले पड़ने के आसार हैं। आसमान में बादल छाए रहेंगे।

खिलाड़ियों को तकलीफ होगी पर देश पहले : कपिल

अय्यर और किशन को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर करने पर बीसीसीआई का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव ने श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटाने के फैसले का समर्थन किया है। कपिल देव ने बीसीसीआई के फैसले के सही ठहराया है। कपिल देव का कहना है कि बीसीसीआई के कदम से कुछ खिलाड़ियों को दिक्कत होगी, लेकिन यह समस्या होने देनी चाहिए, इससे पहले बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट को अनदेखा करने के लिए ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट से हटा दिया।

कपिल देव ने घरेलू क्रिकेट के भविष्य के लिए बीसीसीआई के फैसले को जरूरी बताया है। कपिल देन ने कहा, हां, कुछ खिलाड़ियों को दिक्कत होगी, पर ये दिक्कत होने देनी चाहिए, कोई भी खिलाड़ी देश से बड़ा नहीं है, यह बीसीसीआई की ओर से उठाया गया अहम कदम है, मैं बीसीसीआई को यह कदम उठाने के लिए बधाई देता है। घरेलू क्रिकेट को बचाने के लिए ऐसे कदम को उठाना जरूरी था। मैं बेहद दुखी था कि इंटरनेशनल क्रिकेट में जगह बना चुके खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट को इग्नोर करते थे। बता दें कि बीसीसीआई ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के रणजी ट्रॉफी को प्राथमिकता नहीं देने के फैसले से नाराज थी। बीसीसीआई लगातार खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने की हिदायत दे रही थी। बीसीसीआई ने साफ कर दिया था कि दो भी खिलाड़ी नेशनल ड्यूटी पर नहीं हैं उन्हें रणजी ट्रॉफी में खेलना चाहिए. लेकिन बावजूद इसके ईशान किशन और श्रेयस अय्यर ने चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया. बीसीसीआई ने अब दोनों खिलाड़ियों पर एक्शन लेकर सख्त मैसेज दिया है।

घरेलू क्रिकेट का प्राइड वापस लाने का मकसद

कपिल देव का मानना है कि भविष्य में बीसीसीआई का यह कदम अच्छे नतीजे लेकर आएगा। वर्ल्ड कप विजेता कप्तान ने कहा, कि यह सही समय पर लिया गया बेहद ही जरूरी फैसला है। बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट का प्राइड वापस लाने के लिए ऐसा फैसला लेने की जरूरत थी. बिल्कुल सही फैसला लिया गया है।

दिल्ली पहुंची हिमाचल की सियासी हलचल

शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे मंत्री विक्रमादित्य, खरगे को सौंपेंगे रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में खूब सियासी गहमागहमी रही। पहले मंत्री विक्रमादित्य सिंह चंडीगढ़ में अयोग्य घोषित छह विधायकों से मिलने पहुंचे। शुक्रवार दोपहर तक वह चंडीगढ़ में बागियों के साथ रहे और फिर दिल्ली रवाना हुए। हालांकि, शाम को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने चर्चाओं पर विराम लगाते हुए कहा कि विक्रमादित्य उनसे बात करने के बाद ही चंडीगढ़ गए।

वह जल्द ही नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी मिलेंगे। देखते हैं कि अब आगे क्या होता है। वहीं सुक्खू ने दोहराया कि सरकार को कोई खतरा नहीं है। वह हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मीडिया सलाहकार तरुण भंडारी के साथ नजर आए। दोनों के बीच बातचीत हुई। इसके बाद वह अपनी गाड़ी में बैठकर एयरपोर्ट रवाना हुए।

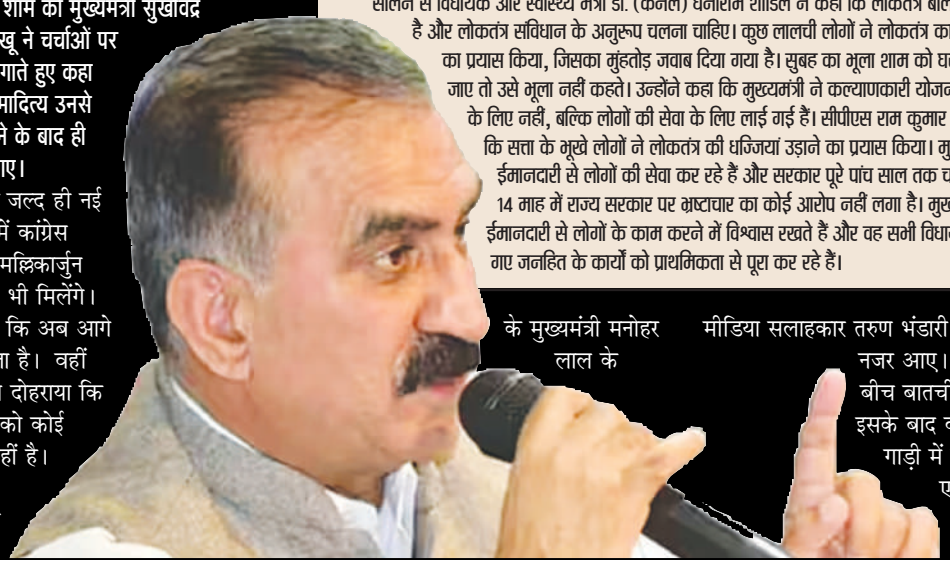

सोलन के चारों विधायकों ने सीएम सुक्खू के साथ दिखाई एकजुटता

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के एक दिवसीय कसौली दौरे के दौरान जिले के चारों विधायकों ने एकजुटता दिखाई। चारों विधायकों ने जनसभा को संबोधित किया और विकास के लिए सरकार का आभार जताया। सोलन से विधायक और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल ने कहा कि लोकतंत्र बलिदानों से मिला है और लोकतंत्र संविधान के अनुरूप चलना चाहिए। कुछ लालची लोगों ने लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया, जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। सुबह का भूला शाम को घर वापस आ जाए तो उसे भूला नहीं कहते। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कल्याणकारी योजनाएं राजनीति के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सेवा के लिए लाई गई हैं। सीपीएस राम कुमार चौधरी ने कहा कि सत्ता के भूखे लोगों ने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ईमानदारी से लोगों की सेवा कर रहे हैं और सरकार पूरे पांच साल तक चलेगी। पिछले 14 माह में राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है। मुख्यमंत्री ईमानदारी से लोगों के काम करने में विश्वास रखते हैं और वह सभी विधायकों द्वारा बताए गए जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर रहे हैं।

पूरा जीवन कांग्रेस में बिताया, भाजपा में जाने का कोई विचार नहीं : प्रतिभा सिंह

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन कांग्रेस पार्टी में बिताया है। उनकी शुरुआत कांग्रेस पार्टी से हुई है। वे कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हैं। कल क्या होगा, अभी वह नहीं कह सकतीं। उनका भाजपा में जाने का कोई विचार नहीं है। प्रतिभा सिंह ने कहा कि भाजपा के टिकट पर मंडी संसदीय सीट से चुनाव लड़ने के बारे में उन्होंने कभी नहीं सोचा, वे भाजपा के संपर्क में भी नहीं हैं। भगवान जानें, आगे क्या स्थिति बनती है। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व किसे टिकट देना चाहता है, इस पर अभी विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी की मजबूती के लिए काम कर रही हैं। वह जल्द ही दिल्ली जाकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात कर प्रदेश की राजनीतिक गतिविधियों से अवगत करवाएंगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलेंगे विक्रमादित्य सिंह

शनिवार को उनकी केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात प्रस्तावित है। इधर, शिमला में मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रमादित्य ने वीरवार को उन्हें सूचित किया था कि कांग्रेस के कुछ बागियों ने उनसे संपर्क किया है और वापस आना चाहते हैं। मैंने उनसे बागी विधायकों और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से बात करने को कहा। बागी विधायकों के परिवार के सदस्य उनसे बात कर रहे हैं और वे कांग्रेस में रहना चाहते हैं। सुक्खू ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस मुद्दे पर रुख साफ कर दिया है कि पार्टी विद्रोहियों को वापस लेने के लिए तैयार हैं। उधर लोक निर्माण और शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने अपनी फेसबुक प्रोफाइल से इंडियन नेशनल कांग्रेस (आईएनसी) का जिक्र हटा दिया है। उनके फेसबुक पेज पर हिमाचल का सेवक लिखा गया है।

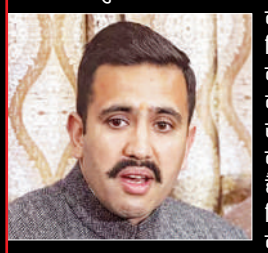

15 मिनट में बेंगलुरु कैफे में प्लांट किया गया था बम

» सीसीटीवी फुटेज से खुलासा

» कर्नाटक बम ब्लास्ट: भाजपा ने कांग्रेस सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए बम धमाके के बाद राज्य की पुलिस और एनआईए सक्रिय हो गई है। ज्ञात हो कि शुक्रवार को कम तीव्रता का बम विस्फोट होने से कम से कम दस लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़े यूएपीए प्रावधान लागू किए हैं। इस बीच रामेश्वरम कैफे के मालिक ने बताया कि संदिग्ध को रेस्तरां में अपना बैग छोड़ने से पहले रवा इडली खाते हुए देखा गया था, कैफे की मालिक दिव्या राघवेंद्र राव ने बताया कि विस्फोट से कुछ समय पहले क्या हुआ था... और सिर्फ 15 मिनट में कैसे कैफे में बम प्लांट किया गया।

रामेश्वरम कैफे में सिर्फ 15 मिनट में बम प्लांट किया गया था। ब्लास्ट के संदिग्ध आरोपी को रामेश्वरम कैफे में सुबह 11.30 बजे दाखिल होते देखा गया। इसके बाद उसने 11.38 पर रवा इडली का ऑर्डर दिया। फिर वह रवा इडली खाने के बाद 11.44 बजे हाथ धोने के लिए वॉश बेसिन की तरफ गया। इसी दौरान उसने आईईडी वाला बैग रख दिया। 11 बजकर 45 मिनट पर संदिग्ध आरोपी कैफे से बाहर निकल गया। इसके बाद दोपहर 12.56 बजे धमाका हुआ।

बम ब्लास्ट की जांच जारी, जल्द होगा खुलासा : सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पुष्टि की कि बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में कम तीव्रता वाला इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बम विस्फोट हुआ था। सीएम सिद्धारमैया ने भी पुष्टि की कि सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति को कैफे में बैग छोड़ते हुए देखा गया था। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिला था कि बैग में रखी किसी वस्तु के कारण कैफे में विस्फोट हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के गृह मंत्री स्थिति का निरीक्षण करने के लिए कैफे की ओर जा रहे हैं। सीएम ने यह भी कहा कि उनकी सरकार में पहली बार विस्फोट हुआ है।

जवाब दें मुख्यमंत्री : तेजस्वी सूर्या

बेंगलुरु दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से शहर के इंदिरानगर इलाके में एक कैफे में हुए विस्फोट के बारे में लोगों को जवाब देने का आग्रह किया था। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि अभी-अभी रामेश्वरम कैफे के संस्थापक श्री नागराज से उनके रेस्तरां में हुए विस्फोट के बारे में बात हुई। उन्होंने मुझे बताया कि विस्फोट एक ग्राहक द्वारा छोड़े गए बैग के कारण हुआ, और यह कोई सिलेंडर विस्फोट नहीं था। उनका एक कर्मचारी घायल हो गया है। यह स्पष्ट रूप से बम विस्फोट का मामला प्रतीत होता है।

'सभी पहलुओं पर हो रही जांच'

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, सरकार मामले की निष्पक्ष जांच के लिए प्रतिबद्ध है। हमने पुलिस अधिकारियों को जांच के लिए पूरी अनुमति दी है। केंद्रीय अपराध शाखा मामले की जांच कर रही है। इस काम के लिए सात से आठ समूह गठित किए गए हैं जो दोषी का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। सौभाग्य से, कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। बंगलूरू में किसी को डरने की जरूरत नहीं है, हम पुलिस को आदेश देंगे और निष्पक्ष जांच के साथ सामने आएंगे। विस्फोट में इस्तेमाल किए गए उपकरण परिचित प्रतीत होते हैं और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

किसानों ने दिल्ली कूच का फैसला टाला

» कल शुभकरण की अंतिम अरदास पर होगा एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर धरने पर बैठे किसानों ने दिल्ली कूच का फैसला तीन मार्च तक टाल दिया है। शंभू बॉर्डर पर किसान नेता मनजीत सिंह राय और बलदेव जीरा ने पत्रकार वार्ता में कहा कि दिल्ली कूच पर तीन मार्च को शुभकरण की अंतिम अरदास (भोग) पर एलान किया जाएगा।

वहीं, शंभू व खनौरी की तरह दिल्ली जाने वाले अन्य रास्तों पर भी मोर्चे लगाए जाएंगे। इसकी शुरुआत डबवाली से की जा रही है। यहां भी बड़ी संख्या में किसानों को इकट्ठा किया जाएगा। सरकार अगर किसानों को आगे जाने देगी तो ठीक है, वरना किसान यहीं डटे रहेंगे, क्योंकि आंदोलनरत किसान जत्थेबंदियां नहीं चाहती कि संघर्ष में कोई और जान जाए। रविवार को बठिंडा के गांव बल्ो में शुभकरण की अंतिम अरदास के मौके पर सरवण सिंह पंधेर व जगजीत सिंह डल्लेवाल औपचारिक एलान करेंगे। उन्होंने बड़ी संख्या में लोगों से वहां पहुंचने की अपील की है। किसानों ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार ने आंसू गैस के गोले फेंकने के लिए इजरायल से मंगवाए गए ड्रोनों का इस्तेमाल किया है। किसानों ने साफ किया कि जब तक एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

शंभू बॉर्डर पर केरल, उप्र और राजस्थान से भी कुछ किसान नेता पहुंचे

उधर, शंभू बॉर्डर पर किसानों का जमावड़ा बढ़ रहा है। शंभू बॉर्डर पर केरल, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से भी कुछ किसान नेता पहुंचे। शंभू बॉर्डर पर करीब चार से पांच किलोमीटर तक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का काफिला लगा है, जिनमें किसान अस्थायी ठहराव बनाकर रह रहे हैं। आंदोलन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी टोलियों में आ रही हैं। किसानों के लिए आसपास के गांवों से लोग लंगर ला रहे हैं। विभिन्न गुरुद्वारा कमेटियां भी दिन-रात शंभू बॉर्डर पर लंगर लगा रही हैं।

छत्तीसगढ़ : मोटरसाइकिलें भिड़ीं, चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में दो मोटरसाइकिल में टक्कर होने से उनमें सवार चार लोगों की मौत हो गई है तथा एक अन्य घायल हो गया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के तुमला थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंझियाडीह गांव के समीप यह हादसा हुआ।

उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि पांच युवक दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर पास ही के गांव जा रहे थे। जब वह गंझियाडीह गांव के करीब पहुंचे तब उनकी मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस घटना में एक मोटरसाइकिल में आग लग गई। इस घटना में तीन युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया तथा दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया। बाद में पुलिस दल ने शवों और घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में से तीन की पहचान खगेश्वर धोबी, चंदन नायक और उमाशंकर के रूप में की गयी है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।